Publication: Nai Dunia **Edition**: Delhi **Date:** 9th March, 2013

तकनीक

संकट में पड़ने पर परिवारवालों और पुलिस के पास पहुंच जाएगा अलर्ट

महिलाओं की सुरक्षा के लिए मोबाइल एप्प

नई दिल्ली(ब्रेट्र)। देश में महिलाओं की सुरक्षा पर बढ़ती चिंताओं के बीच सूचना प्रौद्योगिकी व मोबाइल कंपनियों ने कई तरह की सुविधाएं व मोबाइल एप्लीकेशन तैयार किए हैं। इनके इस्तेमाल से महिलाएं घर से बाहर सुरक्षित महसूस कर सकती हैं।

एक सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा तैयार एप्लीकेशन लोकलसर्किल्स. कॉम के जरिये महिलाएं मुश्किल के समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल से अलर्ट जारी कर सकती हैं। एक बटन दबाते ही महिला के परिवार वालों और पुलिस के पास एक साथ कई मैसेज और ईमेल पहुंच जाएंगे। इसके अलावा भारती एयरटेल कंपनी ने भी एक एमरजेंसी

» मुसीबत में पड़ी महिलाओं को तकनीक का सहारा

अलर्ट सर्विस जारी की है, जिसके जरिये यूजर एक ही फोन कॉल से एक साथ दस लोगों को अलर्ट भेज सकते हैं। इससे जरूरतमंद की लोकेशन लोगों तक एसएमएस और ईमेल के जरिये पहुंच जाएगी।

लोकलसर्किल्स.कॉम के प्रबंध निदेशक सचिन तापरिया ने कहा, 'इस एप्लीकेशन का निर्माण दिल्ली-एनसीआर के लोगों की दिनचर्या को सुधारने के लिए किया गया था। महिलाएं भी इसका इस्तेमाल मुसीबत के समय कर सकती हैं। यह स्थानीय सोशल नेटवर्क है। लोगों को एक दूसरे से जोड़ने और मुसीबत के समय एक-दूसरे की मदद के लिए एक समूह के निर्माण के विचार के साथ ही इस एप्लीकेशन का निर्माण किया गया था। इस समय यह सुविधा महज स्मार्टफोन पर ही उपलब्ध है। लेकिन आने वाले दो महीनों के भीतर साधारण मोबाइल फोन के लिए भी एक ऐसी ही एप्लीकेशन शुरू की जाएगी।'

इस एप्लीकेशन को निशुल्क एक्टीवेट किया जा सकता है। चलती गाड़ी, किसी सुनसान जगह या किसी इमारत में भी यह एप्लीकेशन व्यक्ति की लोकेशन बताएगी, भले ही वहां जीपीएस की सुविधा हो या नहीं।

छह कंपनियों का संकल्प

विप्रो समेत भारत की छह दिग्गज कंपनियों ने संस्थान में महिलाओं की संख्या और शीर्ष पदों पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने के संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव को अपनाने का फैसला किया है। लिंगभेद को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की संस्था 'एन्टिटी फॉर जेंडर इक्विलिटी एंड द इंपावरमेंट' आफ वुमेन ने कंपनियों के लिए एक सात सूत्रीय एजेंडा तैयार किया था। विप्रो, कोकाकोला, जिंदल स्टील, पहाड़पुर कूलिंग सॉल्यूशंस और एचसीएल ने इस कार्यक्रम को अमलीजामा पहनाने का फैसला किया है।